>

Title : Need to provide compensation to the farmers whose crops have been destroyed due to incidents of fire in various parts of the country.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): अध्यक्ष महोदया, मैं हृदय से आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि सदन में लोक महत्व के एक अति महत्वपूर्ण विषय को रखने का मुझे अवसर दिया है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन सरकार का ध्यान इस बात की तरफ आकृष्ट कराना चाहूंगा कि जब गर्मी का मौसम शुरु होता है और गर्म हवा चलनी शुरु होती है तो पूरे उत्तर भारत के, विशेष कर बिहार और उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में बड़ी संख्या में आग लगने की घटनाएं होती हैं, जिसमें किसानों और मजदूरों का घर जल कर राख हो जाता है और लाखों किसानों के खलिहान, उनकी रबी की फसल भी जल कर नष्ट हो जाती है। मैं यह कहना चाहता हूं कि गांवों में रबी का खलिहान हर किसान का लगभग एक जगह होता है और जब आग लगने की घटना घटती है तो पूरे गांव के किसानों की रबी की फसल जल कर राख हो जाती है, नष्ट हो जाती है। इसमें जो सरकार के राहत और मदद का प्रावधान है, वह मात्र 2250 रुपए है, चाहे वह बर्तन, अनाज या किसी भी चीज के लिए हों। यह राशि बहुत ही कम है, इससे किसी को कोई राहत नहीं पहुंच पाती। जो बीपीएल के लोग हैं, जिनका नाम गरीबी रेखा से नीचे है, उन्हें तो इंदिरा आवास योजना के तहत प्राथमिकता के आधार पर आवास के लिए राशि स्वीकृत हो जाती है, लेकिन वैसे मजदूरों और किसानों को इसका कोई लाभ नहीं मिलता, जिनका नाम बीपीएल की सूची में नहीं है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान इस बात की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं कि सब लोगों को एक समुचित राशि की व्यवस्था भारत सरकार करे और खलिहान के जलने पर, चाहे उनकी लाखों की फसल नष्ट हो जाए, उन्हें एक पैसे की राहत की व्यवस्था किसी भी सरकार की तरफ से आज तक नहीं हुई है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इस गंभीर विषय का भारत सरकार संज्ञान ले और जिनका नाम बीपीएल की सूची में नहीं है, उनके भी घर के नष्ट होने पर सरकार इंदिरा आवास योजना के तहत प्राथमिकता के आधार पर घर बनाने के लिए उन्हें राशि दें, उनकी मदद करे। साथ ही जिन किसानों के खलिहान जल जाते हैं, उन्हें उनके नुकसान के आधार पर, उसका सर्वे करा कर उन्हें मुआवजा देने की मांग आपके माध्यम से मैं भारत सरकार से करता हूं और यह कहता हूं कि इनके लिए कोई स्थाई बंदोबस्त किया जाए, राशि की व्यवस्था की जाए। धन्यवाद।